Newspaper Clips

August 29, 2016

Hindu ND 29.08.2016 P-08

IIT-Dharwad open, new scholarship coming

STAFF CORRESPONDENT

DHARWAD: To promote innovation in technology and industries, the Centre will launch a new scholarship programme for students of the Indian Institutes of Technology, Union Human Resource Development Minister Prakash Javadekar said.

Inaugurating IIT-Dharwad at the University of Agricultural Sciences (UAS) - Dharwad on Sunday, Mr. Javadekar said under the scholarship plan, the Centre would call for innovative ideas from students. The best would get a scholarship of Rs. 60,000 each.

Union Minister Prakash Javadekar and CM Siddaramaiah at IIT-Dharwad on Sunday. — PHOTO: SPECIAL ARRANGEMENT

Your ideas, our funds

"This scheme will encourage students to come out with innovative ideas to help growth of industries and related fields. The students can turn out as entrepreneurs even when they are staying in hostels. You sell your ideas, we will fund them," the Minister told students.

Mr. Javadekar said the government was committed to promoting growth of higher education with a thrust on research. Access to higher education alone could put the nation on the path of progress. Four higher education schemes of the Narendra Modi government were working well. The Government would now fund more candidates under the Impression, Gyan and similar programmes. Since the Centre wanted to promote education without a political agenda, IITs were sanctioned even in States where the BJP was not in power, he said.

On IIT-Dharwad, which is the 23rd IIT, Mr. Javadekar said the Government would help create a permanent campus faster than expected. He assured Karnataka that its demand for additional Kendriya Vidyalaya and Jawahar Navodaya schools in Hubballi-Dharwad would be considered. Higher Education Minister Basavaraj Rayaraddi demanded 25 per cent regional quota for students of host states in IITs. Karnataka Chief Minister Siddaramaiah said the State had provided 470 acres for IIT-Dharwad free. He said the State government would welcome all Central initiatives to promote higher education and offered to provide sufficient land free. Land would be provided at Hubballi-Dharwad if the Centre sanctions more Kendriya Vidyalaya and Jawahar Navodaya schools.

Union Minister Ananth Kumar, leader of the Opposition Jagadish Shettar, MP Prahlad Joshi, Minister Basavaraj Rayaraddi, Industries Minister R. V. Deshpande, district in-charge Minister Vinay Kulkarni and Labour Minister Santosh Lad participated.

Interaction cancelled

IIT-Dharwad students were disappointed as they had to miss a planned interaction with Mr. Javadekar, Mr. Siddaramaiah and others. Some 120 students were waiting for the event.

Mr. Javadekar, who arrived more than two hours behind schedule was apparently disappointed when he saw the small number of students. He said he wanted to interact with a larger crowd at the inaugural and left. Later, at the inauguration ceremony where a large number of students including those from different schools and colleges had gathered, Mr. Javadekar announced that he could not go ahead with the interaction session as the available time was inadequate. However, he told the students that he would visit the IIT transit campus in the near future.

Nai Duniya ND 29.08.2016 P-14

आईआईटी ने पांच कंपनियों को काली सूची में डाला

रुड़की। ब्यूरो

मुंबई के बाद अब रुड़की स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) ने भी कैंपस सलेक्शन के बावजूद नौकरी न देने वाली पांच कंपनियों को ब्लैक लिस्टेड कर दिया है। संस्थान के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट के प्रोफेसर इंचार्ज डॉ. एनपी पाढ़ी ने बताया कि इन कंपनियों ने वादाखिलाफी की है। इसीलिए यह कदम उठाया गया है। उन्होंने बताया कि दो कंपनियों को चेतावनी दी गई है।

डॉ. पाढ़ी ने बताया कि वर्ष 2015-16 में देश की विभिन्न आईआईटी से बीटेक पास करने वाले छात्रों को विभिन्न कंपनियों ने जॉब ऑफर तो किए लेकिन बाद में हाथ पीछे खींच लिए। कुछ कंपनियां छात्रों को प्लेसमेंट देने में विलंब कर रही हैं। ऐसे में पिछले दिनों आईआईटी कानपुर में आल इंडिया प्लेसमेंट काउंसिल (एआइपीसी) की बैठक बुलाई गई। बैठक में तय किया गया कि वादाखिलाफी करने वाली कंपनियों को काली सूची में डाला जाए। एआइपीसी ने कुल 30 कंपनियों को काली सूची में डाला है। डॉ. पाढ़ी के मुताबिक ब्लैक लिस्टेड की गई कंपनियां आगामी एक साल तक कैंपस प्लेसमेंट में हिस्सा नहीं ले सकेंगी।

Economic Times Hindi ND 29.08.2016 P-08

IIM में छात्राओं की संख्या तीन साल में सबसे कम

टॉप 6 IIM- अहमदाबाद, बैंगलोर, कलकत्ता, लखनऊ, कोझीकोड और इंदौर में 2016-2018 बैच में सिर्फ 649 फीमेल स्टूडेंट्स

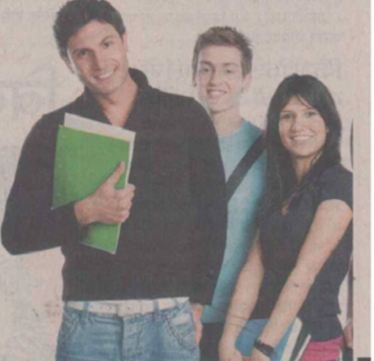

[श्रीराधा डी बसु & वारुणी खोसला | मुंबई & नई दिल्ली]

देश के टॉप बिजनेस-स्कूलों में फीमेल स्टूडेंट्स की संख्या घटकर तीन साल में सबसे कम हो गई है। इन संस्थाओं की तरफ से क्लासरूम में जेंडर डायवर्सिटी बढ़ाने की तमाम कोशिशों के बावजूद एमबीए कोर्स में महिलाओं की संख्या घटी है। इसका असर कॉरपोरेट इंडिया पर भी होगा, जो ज्यादा महिलाओं को लीडरशिप रोल में लाना चाहता है।

टॉप छह आईआईएम संस्थानों- अहमदाबाद, बैंगलोर, कलकत्ता, लखनऊ, कोझीकोड और इंदौर में 2016-2018 बैच में सिर्फ 649 फीमेल स्टूडेंट्स हैं। यह आंकड़ा 2013 के मुकाबले 19 पर्सेंट कम है। 2013 में सबसे ज्यादा 800 महिलाओं ने इन संस्थाओं में एडमिशन लिया था। वैसे तो 2012 से डायवर्सिटी लेवल में सुधार हुआ है, लेकिन चिंता की बात यह है कि तमाम कोशिशों के बावजूद टॉप छह आईआईएम में फीमेल स्टूडेंट्स की संख्या लगातार घटती जा रही है। 2013 में आईआईएम के टोटल स्टूडेंट्स में फीमेल 32 पर्सेंट थीं। 2014 में 28 पर्सेंट; 2015 में 27 पर्सेंट और इस साल घटकर 26 पर्सेंट रह गई हैं।

2013 में आईआईएम के टोटल स्टूडेंट्स में फीमेल 32 पर्सेंट थीं। 2014 में 28 पर्सेंट, 2015 में 27 पर्सेंट और इस साल घटकर 26 पर्सेंट रह गई हैं

आईआईएम सूत्रों का कहना है कि महिलाओं की संख्या में गिरावट की खास वजह नहीं है क्योंकि विमेन एप्लिकेंट्स की संख्या पहले जैसी बनी हुई है। हालांकि, कुछ एक्सपर्ट्स का कहना है कि शायद महिलाएं दूसरे कोर्सेज चुन रही हैं, क्योंकि इसमें उनके लिए रोल मॉडल ज्यादा नहीं हैं। आईआईएम लखनऊ के एडमिशन चेयरपर्सन नीरज, द्विवेदी ने कहा, 'यह बताना मुश्किल है कि फीमेल स्टूडेंट्स की संख्या क्यों घटी है। सामान्य तौर पर अगर 25 पर्सेंट महिलाएं आवेदन करती हैं तो हमें 40 पर्सेंट फीमेल स्टूडेंट्स क्यों नहीं मिल सकते।' उन्होंने कहा कि एडमिशन की प्रक्रिया में कोई चेंज नहीं किया गया है। आईआईएम लखनऊ में 2014 में फीमेल स्टूडेंट्स की संख्या 46 पर्सेंट थी, जो 2015 में घटकर 32 पर्सेंट और इस साल 25 पर्सेंट रह गई है। इस साल आईआईएम इंदौर में सबसे ज्यादा 38 पर्सेंट फीमेल कैंडिडेट्स ने एडमिशन लिया है। सबसे कम आईआईएम कलकत्ता में 15 पर्सेंट फीमेल स्टूडेंट्स हैं।

जवाब की तलाश

ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज की पूर्व मैनेजिंग डायरेक्टर विनीता बाली ने कहा, 'हमें इसका गहराई से अध्ययन करना होगा। क्या महिलाओं को दूसरी चीजें ज्यादा लुभा रही हैं या वे अलग रास्ता चुन रही हैं?' वह आईआईएम बैंगलोर की इंडिपेंडेंट डायरेक्टर और स्ट्रैटेजी एडवाइजर हैं। इंडिया में डेलॉयट के डायरेक्टर रोहिन कपूर ने कहा, 'यह चिंता की बात है। ऐसे समय में जब सरकार महिलाओं को कॉरपोरेट बोर्ड्स में शामिल करने की कोशिश में जुटी है, बी-स्कूलों में उनकी संख्या घटती जा रही है।'

Javadekar to Meet IIM Directors Next Month

http://www.news18.com/news/india/javadekar-to-meet-iim-directors-next-month-1286408.html

New Delhi: Issues related to quality of management education, exploring avenues for financing and improving global perception of Indian institutions are likely to come up for discussion when HRD minister Prakash Javadekar meets directors of IIMs next month.

The meeting comes at a time when the HRD ministry is working on formulating a New Education Policy (NEP), officials said.

"The HRD minister will be meeting Directors of various IIMs soon and it is expected that a range of issues from quality of education to building best infrastructure will be discussed," a senior official told PTI.

Officials said Javadekar will also meet heads of other higher educational institutions which are financed by the Union government in the coming days.

"It has been planned that in the coming days the minister would be interacting with various Vice Chancellors of Central Universities, NITs, Indian Institutes of Science Education and Research (IISERs) etc," the official added.

Javadekar had recently presided over the IIT council meeting where directors of these premier educational institutions were present.

"There are a range of issues from quality, affordability, global standings to making education affordable and accessible. It is expected that these sessions will be brainstorming sessions and new ideas will emanate," officials said.